RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 329
दि. 02.04.2026,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

भारत में पहली बार शुरू हुई डिजिटल जनगणना, पीएम मोदी ने किया शुभारंभ, नागरिकों से भागीदारी की अपील

(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अपनी स्वयं-गणना पूरी कर जनगणना 2027 के पहले चरण का शुभारंभ किया। इस बार का पहला चरण मकानों की सूची बनाने और आवास संबंधी जानकारी जुटाने पर केंद्रित है और इसे पहली बार पूरी तरह डिजिटल माध्यम से किया जा रहा है।

स्वतंत्रता के बाद यह भारत की आठवीं और कुल 16वीं जनगणना होगी, जिसमें पहली बार स्वयं-गणना का विकल्प भी उपलब्ध कराया गया है। पीएम मोदी ने लोगों से अपील की कि वे अपने घरों का विवरण स्वयं दर्ज करें और इस ऐतिहासिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

पीएम मोदी ने भारतवासियों के लिखी ये पोस्ट

सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में, पीएम मोदी ने लिखा "मैंने अपनी स्वयं-गणना पूरी कर ली है। आज जनगणना 2027 के पहले चरण की शुरूआत का प्रतीक है,

जिसमें मकानों की सूची बनाने और आवास संबंधी कार्य शामिल हैं। यह जनगणना पहली बार डिजिटल माध्यमों से डेटा एकत्र कर रही है। यह भारत के लोगों को अपने घरेलू विवरण स्वयं गिनने का अधिकार भी देती है। मैं भारत के लोगों से अपने घरेलू विवरणों की स्वयं-गणना करने और जनगणना प्रक्रिया में भाग लेने की अपील करता हूं।"

यह जनगणना अभ्यास विश्व का सबसे बड़ा होगा, जो पूरी तरह से डिजिटल रूप से संपन्न किया जाएगा।

स्वतंत्रता के बाद यह भारत की आठवीं, और कुल मिलाकर 16वीं जनगणना है। स्वयं-गणना का विकल्प भी पहली बार उपलब्ध कराया गया है।

जनगणना 2027 को दो चरणों में आयोजित किया जाएगा, जिसमें पहला चरण 'मकान सूचीकरण और आवास जनगणना' (HLO) है।

यह अप्रैल से सितंबर 2026 तक छह महीने के भीतर राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की सुविधा अनुसार 30 दिनों में पूर्ण होगा। घर-घर सूचीकरण के इस 30 दिवसीय कार्य से ठीक पहले, 15 दिनों के लिए स्वयं-गणना का विकल्प भी उपलब्ध रहेगा।

जनगणना 2027 की संदर्भ तिथि 1 मार्च, 2027 को 00:00 बजे निर्धारित है।

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख व जम्मू-कश्मीर के बर्फीले इलाकों और उत्तराखंड व हिमाचल प्रदेश राज्यों के लिए, यह तिथि 1 अक्टूबर, 2026 को 00:00 बजे होगी।

श्री लिएंडर पेस ने प्रधानमंत्री से भेंट की

श्री लिएंडर पेस ने आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से

भेंट की। श्री मोदी ने कहा, "भारत को टेनिस में उनकी उपलब्धियों पर बहुत गर्व है। हमने विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की। खेल और राष्ट्र निर्माण के प्रति उनका जुनून वास्तव में सराहनीय है।"

प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट में लिखा: श्री लिएंडर पेस जी के साथ एक शानदार मुलाकात हुई।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के वाव-थारद में विभिन्न विकास कार्यों के शुभारंभ के अवसर पर दिए गए अपने भाषण की कुछ झलकियां साझा कीं

(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बनासकांठा जिले के वाव-थारद में एक जनसभा को संबोधित किया, जहां उन्होंने उत्तर गुजरात के लिए लगभग 20,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने नवरात्रि के पवित्र पर्व के अभी हाल ही में संपन्न होने और आज भगवान महावीर की जयंती के अवसर पर माता अंबाजी और भगवान श्री धरणीधरजी को नमन किया।

श्री मोदी ने एक्स पर कई पोस्टों की एक श्रृंखला में कहा:

'आज वाव-थारद की यात्रा इसलिए और भी विशेष है क्योंकि मैं डीसा हवाई अड्डे पर उतरा'

'राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति कांग्रेस की उदासीनता के चलते डीसा एयरपोर्ट का काम लंबे समय तक अटका रहा। हमने इसे प्राथमिकता के साथ पूरा करवाया है, जो इस पूरे क्षेत्र के साथ-साथ देश के लिए भी बहुत उपयोगी होने वाला है।'

'वाव-थराद सहित इस पूरे इलाके से मेरी बहुत सारी यादें जुड़ी हैं। यहां के लोगों, विशेषकर माताओं-बहनों के स्नेह को मैं कभी भुला नहीं सकता!'

'आज सोलर पावर में गुजरात का परचम पूरी बुलंदी से लहरा रहा है। वो दिन दूर नहीं, जब हमारा यह राज्य Renewable Energy में दुनिया का बहुत बड़ा केंद्र बनकर उभरेगा।'

'कांग्रेस के शासन में अव्यवस्था और अभावों से जूझता रहा उत्तर गुजरात आज विकास की नई कहानी लिख रहा है। हम यहां जिन कामों को आगे बढ़ा रहे हैं, उनसे वाव-थराद, बनासकांठा, पाटन और मेहसाणा को बहुत लाभ होने वाला है।'

'यह बहुत दुर्भाग्य की बात है कि युद्ध से पैदा हुए वैश्विक संकट में भी कांग्रेस भारत से नफरत करने वाली विदेशी ताकतों की भाषा बोल रही है। हमें उसकी साजिशों से सावधान रहना है।'

संक्षिप्त समाचार

गुजरात में ईशुदान गढ़वी की गिरफ्तारी पर आगबबूला हुई अअढ, संजय सिंह ने लगाए गंभीर आरोप

आम आदमी पार्टी के गुजरात प्रदेश अध्यक्ष ईशुदान गढ़वी को गिरफ्तारी पर पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और राज्‍यसभा सांसद संजय सिंह, सौरभ भराद्वाज समेत तमाम नेताओं ने भाजपा पर करारा हमला बोला है। ईशुदान गढ़वी पार्टी कार्यकताओं की अवैध गिरफ्तारी की जानकारी लेने थाने पहुंचे थे। भाजपा सरकार की इस तानाशाही पर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पिछले तीन महीनों में गुजरात में आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं के खिलाफ 145 एफआईआर हो चुकी हैं।

यूपी के सरकारी स्कूलों में बदला पढ़ाई का समय! अब कितने बजे होगी छुट्टी! क्या है नई टाइमिंग?

(एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के परिषदीय स्कूलों में पढ़ने वाले लाखों बच्चों के लिए राहत भरी खबर है। प्रदेश सरकार ने भीषण गर्मी और लू के प्रकोप को देखते हुए स्कूलों के समय में कटौती करने का निर्णय लिया है। अब नए सेशन से प्राइमरी स्कूल गर्मियों में केवल 5 घंटे ही खुलेंगे। कोरोना काल के बाद पढ़ाई के नुकसान की भरपाई के लिए जो अतिरिक्त घंटा जोड़ा गया था, उसे अब वापस लेने पर सैद्धांतिक सहमति बन गई है।

यूपी में कोरोना महामारी से पहले गर्मियों में स्कूल केवल 5 घंटे खुलते थे। हालांकि, लॉकडाउन के कारण बच्चों का कोर्स पिछड़ गया था, जिसकी भरपाई के लिए साल 2022 में सरकार ने जाड़ा और गर्मी दोनों सीजन में स्कूल का समय बढ़ाकर 6 घंटे (दोपहर 2 बजे तक) कर दिया था। इस बीच प्रचंड गर्मी और दोपहर 2 बजे की तपती धूप में बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए अभिभावकों ने समय घटाने की मांग की थी, जिसे अब सरकार ने स्वीकार कर लिया है।

शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम के मुताबिक, सर्दियों में 6 घंटे और गर्मियों में 5 घंटे स्कूल संचालित करने का प्रावधान है। इसी आधार पर बेसिक शिक्षा विभाग अब पुरानी व्यवस्था को बहाल करने की तैयारी कर रहा है। संभावना है कि स्कूलों का नया समय सुबह 7:00 से दोपहर 12:00 बजे या सुबह 8:00 से दोपहर 1:00 बजे तक तय किया जाएगा। विभाग में इसकी आधिकारिक घोषणा को लेकर कवायद तेज हो गई है।

साल 2015 तक की स्थिति: साल 2015 तक उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों में गर्मियों के दौरान पढ़ाई का समय सुबह 7:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक निर्धारित था।

राष्ट्रपति ने डॉ. श्री श्री शिवकुमार महास्वामीजी के 119वें जन्मदिन समारोह और गुरुवंदन महोत्सव में भाग लिया

(एजेंसी)।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (1 अप्रैल, 2026) कर्नाटक के तुमकुरु स्थित श्री सिद्धगंगा मठ में डॉ. श्री श्री शिवकुमार महास्वामीजी के 119वें जन्मदिन समारोह और गुरुवंदना महोत्सव में भाग लिया।

राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि श्री शिवकुमार स्वामीजी जैसे संत हमारे समाज और राष्ट्र की आत्मा के साक्षात स्वरूप हैं। यद्यपि उनका भौतिक शरीर 2019 में परम सत्ता में विलीन हो गया, फिर भी उनकी आध्यात्मिकता की धारा समाज और देश दोनों को सदा पोषित और संरक्षित करती रहेगी। उन्होंने अपने आध्यात्मिक कार्यों से मानवता को समृद्ध किया। निर्धनों और वंचितों की सेवा के प्रति समर्पित उनका जीवन कल्याणकारी कार्यों के माध्यम से आध्यात्मिकता को अभिव्यक्त करने का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

राष्ट्रपति ने स्वामीजी के नेक कार्यों की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए श्री सिद्धगंगा मठ की सराहना की। उन्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई कि मठ ने प्राथमिक विद्यालय स्तर से लेकर इंजीनियरिंग और प्रबंधन में उच्च शिक्षा तक की सुविधा प्रदान की है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि श्री शिवकुमार स्वामीजी के मार्गदर्शन में स्थापित श्री सिद्धगंगा अस्पताल आम जनता को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है।

राष्ट्रपति ने इस बात पर बल दिया कि श्री सिद्धगंगा मठ समकालीन युग में सेवा और आध्यात्मिकता की सदियों पुरानी परंपरा को कायम रखते हुए उसे आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी परंपरा में ज्ञान के वरदान को अत्यधिक महत्व दिया जाता है। ज्ञान और शिक्षा व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण की बुनियाद हैं। शिक्षा ही आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त करती है। समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों और ग्रामीण क्षेत्रों के वंचित छात्रों को शिक्षा प्रदान करके, मठ एक समावेशी समाज के निर्माण में अमूल्य योगदान दे रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि परिश्रम, जनसेवा और राष्ट्रसेवा आपस में जुड़े हुए हैं। आध्यात्मिकता जनसेवा और राष्ट्रसेवा दोनों के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करती है। कर्नाटक जनसेवा, राष्ट्रसेवा, आध्यात्मिकता और आधुनिक प्रगति के सबसे प्रभावशाली उदाहरणों की एक उत्कृष्ट मिसाल है। इसके लिए कर्नाटक के परिश्रमी और प्रतिभाशाली निवासियों की प्रशंसा की जानी चाहिए। कर्नाटक के लोगों ने राष्ट्र निर्माण में निरंतर अग्रणी योगदान दिया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कर्नाटक राष्ट्र निर्माण के एक प्रमुख केंद्र के रूप में आगे बढ़ता रहेगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्र निर्माण, परोपकार और कर्तव्य के प्रति अटूट निष्ठा के मार्ग पर चलकर ही हम श्री शिवकुमार स्वामीजी को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित कर सकते हैं।

'एवा नम्मावा' विधेयक, 2026 क्या है? कर्नाटक में इंटर-कास्ट, इंटर-रिलिजन कपल्स का कैसे करेगा फुल प्रोटेक्शन?

(एजेंसी)।

कर्नाटक देश का ऐसा राज्य बन चुका है जहां पर 'ऑनर किलिंग' जैसे जघन्य अपराधपर लगाम लगाने के लिए सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। सिद्धारमैया सरकार ने 'एवा नम्मावा' विधेयक, 2026 पास कर दिया है। जिसका मकसद सिर्फ अपराधियों को सजा देना नहीं, बल्कि खतरे में जी रहे दूसरी जाति में शादी करने वाले जोड़ों को पहले से सुरक्षा देना है।

दरअसल, कर्नाटक सरकार ने ये विधेयक लागू करने का फैसला दिसंबर 2025 में 19 साल की मन्या पाटिल की दर्दनाक हत्या के बाद लिया है। आइए जानते हैं क्‍या है ये मामला और इस कानून से कैसे दूसरी जाति में शादी करने वाले जोड़ों को कर्नाटक के सुरक्षा मिलेगी?

क्या है मान्या पाटिल केस?

मई 2025 में मान्या पाटिल की शादी के बाद, दंपति को परिवार के कड़े विरोध और धमकियों का सामना करना पड़ा, जिसके चलते वो कर्नाटक में स्थित अपने गांव इनाम वीरपुर छोड़कर हावेरी चले गए। पुलिस के हस्तक्षेप और पिता के लिखित आश्वासन के बावजूद, मन्या और विवेकानंद 8 दिसंबर, 2025 को इस उम्मीद में गांव लौटे कि गर्भावस्था से संबंध सुधरेंगे।

पिता और रिश्तेदारों ने कर दी थी मान्या की हत्या

लेकिन 21 दिसंबर, 2025 को उनके पिता प्रकाशगौड़ा पाटिल और अन्य रिश्तेदारों सहित हमलावरों ने उनके घर में कथित तौर पर कथित तौर पर मन्या पर लोहे के पाइपों और छड़ों से बेरहमी से हमला किया। छह-सात महीने की गर्भवती मन्या ने हुब्बल्ली के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया। उसके पति के माता-पिता भी उसे बचाने की कोशिश में गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना के बाद कर्नाटक सरकार ने ऐसे अपराधों की रोकथाम व निषेध (एवा नम्मावा) विधेयक, 2026' पारित किया है।

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने 2027 जनगणना के लिए ऑनलाइन स्व-गणना प्रपत्र भरा

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने आज उपराष्ट्रपति भवन में जनगणना 2027 के लिए ऑनलाइन स्व-गणना प्रपत्र भरा।

उपराष्ट्रपति ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में सभी से स्व-गणना प्रक्रिया में भाग लेने और अपने-अपने राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेश प्रशासनों द्वारा अधिसूचित अवधि के दौरान आधिकारिक वेब पोर्टल se.census.gov.in के माध्यम से अपने परिवार का ब्यौरा ऑनलाइन जमा करने का आह्वान किया।

बीसीजीसीएल और एमसीएल ने ओडिशा के लखनपुर में कोल टू अमोनियम नाइट्रेट परियोजना के लिए ऐतिहासिक भूमि पट्टा समझौते पर हस्ताक्षर किए

(एजेंसी)।

भारत के कोयला गैसीकरण रोडमैप को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में भारत कोल गैसीफिकेशन एंड केमिकल्स लिमिटेड (बीसीजीसीएल) और महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) के बीच ओडिशा के लखनपुर में प्रस्तावित कोल टू अमोनियम नाइट्रेट परियोजना के लिए एक ऐतिहासिक भूमि पट्टा समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह हस्ताक्षर समारोह आज नई दिल्ली में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हुआ।

यह परियोजना, 2000 टीपीडी अमोनियम नाइट्रेट सुविधा के रूप में परिकल्पित, एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, क्योंकि यह भारत की पहली कोयला गैसीकरण परियोजना है, जिसमें भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) द्वारा विकसित स्वदेशी गैसीफिकेशन तकनीक का उपयोग किया जाएगा। यह ऊर्जा और रसायन क्षेत्र में स्वदेशी नवाचार, तकनीकी प्रगति और आयातित तकनीकों पर निर्भरता में कमी की दिशा में एक निर्णायक कदम को दशार्ता है।

लगभग 350 एकड़ भूमि में फैली

यह परियोजना, जो एमसीएल के अधीन है, कोयला मंत्रालय के हालिया प्रगतिशील नीतिगत सुधारों के माध्यम से संभव हुई है। ये सुधार कोल बेयरिंग एरिया (सीबीए) भूमि के उपयोग को कोयला गैसीकरण परियोजनाओं के लिए सक्षम बनाते हैं, जिससे भारत के प्रचुर कोयला संसाधनों के मूल्य संवर्धित उपयोग के नए मार्ग खुलते हैं और क्षेत्र के विविधीकरण को मजबूती मिलती है।

कोयला गैसीकरण को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए, कोयला मंत्रालय ने अपनी समर्पित वित्तीय प्रोत्साहन योजना के तहत 1,350 करोड़ रुपये का वित्तीय समर्थन प्रदान किया है। यह परियोजना पहले से ही तेजी से प्रगति कर रही है, जिसमें प्रमुख एलएसटीके (लम्प सम टर्नकी) पैकेज—एलएसटीके-1 और एलएसटीके-2—बीएचईएल को प्रदान किए गए हैं, जबकि एलएसटीके-3 और एलएसटीके-4 लार्सन एंड टुब्रो को दिए गए हैं। साथ ही, साइट विकास कार्य, जिनमें बाउंड्री वॉल निर्माण और वृक्ष गणना शामिल हैं, समानांतर रूप से प्रगति पर हैं, जिससे समय-सीमा का पालन सुनिश्चित हो रहा है।

भूमि पट्टा समझौते के हस्ताक्षर समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप सरकार कोयला क्षेत्र के रूपांतरण हेतु केंद्रित पहल कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत प्रचुर कोयला भंडारों से समृद्ध है और इस संसाधन का पारंपरिक उपयोग से आगे बढ़कर बड़े पैमाने पर कोयला गैसीकरण के माध्यम से उपयोग किया जाना आवश्यक है।

उन्होंने जानकारी दी कि कोयला गैसीकरण को बढ़ावा देने के लिए मंत्रिमंडल ने 8,500 करोड़ रुपये के परिव्यय को स्वीकृति प्रदान की है, जिसमें 7 परियोजनाएं पहले ही अंतिम रूप ले चुकी हैं, जिनमें से 3 में भूमि पूजन भी सम्पन्न हो चुका है। एमसीएल और बीसीजीसीएल के बीच लगभग 25,000 करोड़ रुपये के निवेश वाले इस समझौते को एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए उन्होंने कहा कि यह बीसीजीसीएल की पहली स्वदेशी परियोजना है और इस क्षेत्र में बढ़ती गति को दशार्ता है।

मंत्री ने कहा कि कोयला गैसीकरण एक परिवर्तनकारी पहल सिद्ध होगी, जो आयात निर्भरता को कम करने तथा विदेशी मुद्रा की बचत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सम्पादकीय

भारत के चरित्र में है साथ देने की प्रवृत्ति

संकट का साथी, संकटग्रस्त पश्चिम एशिया के कारण उत्पन्न स्थिति से भारत में खुद ही लोग चिंतित हैं किन्तु सरकार ने अपने पड़ोसी बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल के साथ आत्मीयता दिखाते हुए संकट काल में उनकी मदद करके यह साबित कर दिया है कि भारतीय विदेश नीति में पड़ोसी को कितना महत्व मिलता है। उल्लेखनीय है कि भारत नेपाल को अपने सभी ईंधन यानि पेट्रोल, डीजल, एलपीजी जरूरतों के लिए आपूर्ति करता है जो बिहार के रक्सौल से अमलेखगंज (नेपाल) तक पाइप लाइन और टैंकरों के माध्यम से पहुंचाया जाता है। नेपाल की लगभग 35-40 लाख टन की मासिक खपत है जिसकी आपूर्ति में भारत ने कोई बाधा नहीं आने दी। भारत में भले ही लोग परेशान दिख रहे हैं किन्तु नेपाल में यह दृढ़ धारणा है कि 41 देशों से तेल-गैस का आयात करने वाला भारत इस पर्वतीय देश का ध्यान रखेगा।

दरअसल गत सप्ताह भारत ने श्रीलंका और बांग्लादेश को तेल-संकट से उबारा तो पूरी दुनिया में इस बात की चर्चा हुई है कि विश्व की सबसे विशाल जनसंख्या वाला देश भारत अपने पड़ोसियों को संकटग्रास्त नहीं देखना चाहता। भारत ने बांग्लादेश को 5000 टन अतिरिक्त डीजल देकर उसे एहसास कराया कि भारत उसकी मदद करने में पीछे नहीं रहेगा।

श्रीलंका को 38 लाख मीट्रिक टन डीजल और पेट्रोल भेजा। इसमें 18000 टन पेट्रोल और 20 हजार टन डीजल था। आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरावुमारा दिसानायके और विपक्ष के नेता सजित प्रोमदासा ने भारत के इस सदाशयता की मुक्तवंठ से प्राशंसा की। सच तो यह है कि भारत हमेशा अपने पड़ोसियों के प्राति संवेदनशील रहा है। देश में प्राधानमंत्री कोई भी हो उसने पड़ोसियों के प्राति हमेशा सहृदयता का परिचय दिया है। ऐसा इसलिए है कि भारतीय संस्वृति में दूसरों की मदद करने का भाव निहित है। पंडित जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा जी, राजीव गांधी, अटल जी सभी ने पड़ोसियों के प्राति संवेदनशीलता दिखाई है। सवाल उठता है कि जब भारत अपने पड़ोसियों के प्राति इतना ही संवेदनशील है तो पाकिस्तान के प्राति इतना कठोर क्यों है? सच तो यह है कि विभाजन के वुछ दिनों बाद भारत के प्राधानमंत्री खुद पाकिस्तान की यात्रा पर गए थे और उन्होंने न सिर्प वहां की जनता को इस बात से आश्वस्त किया था कि भारत ने विभाजन को स्वीकार कर लिया है बल्कि वहां के लोगों को शांति और समृद्धि के लिए शुभकामनाएं भी दी थीं। सिन्धु जल समझौता 1960 प्राधानमंत्री नेहरू की पाकिस्तान के प्राति सहृदयता का ही प्रातीक है। इंदिरा जी ने भी शिमला समझौते सहित कई अवसरों पर पाकिस्तान की जनता के प्राति सदाशयता का परिचय दिया था। पूर्व प्राधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और शुरूआत में नरेन्द्र मोदी ने भी पाकिस्तान को इस बात का एहसास कराया था कि यदि इस्लामाबाद भारत के साथ कोई छल नहीं करे तो भारत उसके हर सुख-दुख में साथ देगा। किन्तु विश्वासघाती पाकिस्तान अपनी वुटिलता से बाज आने वाला नहीं है। उसने अटल जी की बस यात्रा के बदले कारगिल दिया तो मोदी सरकार के कार्यकाल में पठानकोट से लेकर पहलगाम तक इतनी दुष्टता कर दी कि नए भारत को यह समझने में देर नहीं लगी कि पाकिस्तान अपने अस्तित्व के लिए भारत के साथ दुश्मनी की अनिवार्यता को स्वीकार कर चुका है। पाकिस्तान के राजनेता अच्छी तरह जानते हैं कि उनका सैन्य प्रातिष्ठान भारत के साथ शांति से रहकर अपने बजट में कटौती नहीं करवाएगा। पाकिस्तान जानता है कि उसने जम्मू-कश्मीर के जितने भाग पर हमला करके अपने कब्जे में कर रखा है, वह भी उससे संभाले नहीं संभल रहा है तो वह भारत के जम्मू-कश्मीर लेने की बात सोच भी वैसे सकता है। किन्तु सेना को खुश रखने के लिए राजनेता भी जनता को ह्यकश्मीर बनेगा पाकिस्तान छाप चूरन बांटते रहते हैं। यही कारण है कि सारे पड़ोसियों को भारत पामि एशिया में आए संघर्षजन्य संकट से उबरने की गारंटी देता है किन्तु पाकिस्तान के प्राति कठोरता की रणनीति अपनाए हुए है। भारत के साथ दुश्मनी करके पाकिस्तान बर्बाद ही हो रहा है किन्तु शायद उसे इस बात का एहसास तब हो जब बबार्दी की उसकी सारी संभावनाएं समाप्त हो जाएं। अभी वुछ ही दिन तो हुए हैं बांग्लादेश के शासक रहे मोहम्मद युनूस ने भारत के साथ शत्रुता और पाकिस्तान के साथ मित्रता की पूरी कोशिश की थी

उपराष्ट्रपति ने सांसद श्रीमती सुधा मूर्ति द्वारा लिखित पुस्तक 'टाइड्स ऑफ टाइमः भारतस हिस्ट्री थ्रू मुरल्सट इन पार्लियामेंट' का विमोचन किया

उपराष्ट्रपति ने कहा कि संविधान सदन में बने भित्तिचित्र मात्र कलाकृतियां नहीं हैं, बल्कि भारत की सभ्यतागत यात्रा को दशार्ने वाली दृश्य कथाएं हैं

उपराष्ट्रपति ने संसदीय भित्तिचित्रों की शाश्वत सुंदरता और गहन प्रतीकात्मकता को चित्रित करने के लिए श्रीमती सुधा मूर्ति की प्रशंसा की

उपराष्ट्रपति ने भारत को "लोकतंत्र की जननी" कहा और भारत की निरंतर, समावेशी और गहरी जड़ें जमा चुकी लोकतांत्रिक परंपराओं पर प्रकाश डाला

भारत हमेशा से एक रहा है और हमेशा एक रहेगाः उपराष्ट्रपति

(एजेंसी)।

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के अध्यक्ष श्री सीपी राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली के संविधान सदन में लोकसभा सचिवालय द्वारा प्रकाशित और राज्यसभा सांसद श्रीमती सुधा मूर्ति द्वारा लिखित पुस्तक 'टाइड्स ऑफ टाइमः भारतस हिस्ट्री थ्रू मुरल्स इन पार्लियामेंट का विमोचन किया।

उपराष्ट्रपति ने सभा को संबोधित करते हुए इस अवसर पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और श्रीमती सुधा मूर्ति की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने संसद की भित्ति चित्रों की शाश्वत सुंदरता और गहन प्रतीकात्मकता को बखूबी दशार्या है। उपराष्ट्रपति ने पीढ़ियों से लोगों को इतिहास से जोड़ने के उनके प्रयासों की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि संविधान सदन के भित्ति चित्र मात्र कलाकृतियां नहीं हैं, बल्कि भारत की सभ्यतागत यात्रा को प्रतिबिंबित करने वाली दृश्य कथाएं हैं।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उत्तर में वैशाली से लेकर दक्षिण में कुडावोलाई प्रणाली तक, भारत में लोकतांत्रिक प्रथाएं निरंतर, समावेशी

और समाज में गहराई से समाई हुई हैं। उन्होंने कहा कि ये परंपराएं एक व्यापक सभ्यतागत लोकाचार का हिस्सा हैं जो संवाद, सहमति और विविध विचारों के सम्मान को महत्व देता है, जिससे भारत को "लोकतंत्र की जननी" कहा जाता है।

उपराष्ट्रपति ने महान तमिल कवि सुब्रमण्यम भारती को उद्धृत करते हुए भारत की ज्ञान, गरिमा, दानशीलता और सांस्कृतिक गहराई की समृद्धि को रेखांकित किया और कहा कि इस तरह की नींव स्वाभाविक रूप से समावेशिता और सभी के लिए सम्मान को बढ़ावा देती है।

उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संसद भवन में पारंपरिक प्रतीकों के समावेश की सराहना की। उन्होंने संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति के संबोधन के दौरान चोल वंश के पवित्र सेन्गोल के औपचारिक प्रदर्शन का भी उल्लेख किया और इसे आधुनिक भारत को उसकी सभ्यतागत जड़ों से जोड़ने वाला एक सशक्त प्रतीक बताया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि संसद एक जीवंत लोकतंत्र, संवाद, वाद-विवाद, असहमति और चर्चा के मूल सिद्धांतों का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि यद्यपि चर्चा, वाद-विवाद और असहमति महत्वपूर्ण हैं, फिर भी अंततः इनका योगदान राष्ट्रीय हित में रचनात्मक निर्णय लेने में होना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने इस पुस्तक को भारत की सभ्यतागत यात्रा के लिए एक उल्लेखनीय सम्मान बताते हुए कहा कि इसमें 124 भित्ति चित्रों के वर्णन के माध्यम से इतिहास को जीवंत कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि यह पुस्तक सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर महर्षि वाल्मीकि और चाणक्य जैसे महान विचारकों के ज्ञान और महावीर और गौतम बुद्ध की आध्यात्मिक शिक्षाओं तक के इतिहास को समेटे हुए है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक भारत की प्रारंभिक लोकतांत्रिक परंपराओं, अशोक और छत्रपति शिवाजी महाराज जैसे शासकों की उपलब्धियों और कोणार्क सूर्य मंदिर जैसे स्मारकों और भक्ति आंदोलन जैसे आंदोलनों में परिलक्षित सांस्कृतिक समृद्धि को भी उजागर करती है।

उन्होंने कहा कि यह पुस्तक भारत के स्वतंत्रता संग्राम को श्रद्धांजलि अर्पित करती है, जिसमें दांडी मार्च जैसे आंदोलन और महात्मा गांधी एवं सुभाष चंद्र बोस जैसे महान नेताओं के

पुलिस कर्मियों के लिए तनाव प्रबंधन पर अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान की जन स्वास्थ्य परियोजना की प्रभावशीलता, 35,704 पुलिसकर्मियों को जागरूक किया गया

मानसिक स्वास्थ्य व्यक्तिगत कल्याण और समाज के प्रभावी कामकाज की आधारशिला है: निदेशक, एआईआईए

(एजेंसी)।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली ने महामारी के दौरान ह्लपुलिस कर्मियों के लिए आयुर्वेद पद्धतियों द्वारा तनाव प्रबंधनह्व शीर्षक से एक जन स्वास्थ्य पहल (पीएचआई) परियोजना शुरू की, जिसका उल्लेखनीय प्रभाव पड़ा है। अब तक, इस परियोजना ने 35,704 पुलिस कर्मियों में जागरूकता पैदा की है और संस्थान के लिए इसे एक महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

एआईआईए के निदेशक, प्रोफेसर (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य शारीरिक स्वास्थ्य के समान ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन की मानसिक स्वास्थ्य की परिभाषा का उल्लेख किया, जिसके अनुसार मानसिक स्वास्थ्य एक ऐसी अवस्था है जिसमें व्यक्ति अपनी क्षमताओं को पहचानता है, जीवन के सामान्य तनावों का सामना कर सकता है, उत्पादक रूप से कार्य कर सकता है और समाज में योगदान दे सकता है। इस सकारात्मक अर्थ में, मानसिक स्वास्थ्य व्यक्तिगत कल्याण और समाज के प्रभावी कामकाज की नींव है।

इस परियोजना का नेतृत्व प्रोफेसर (डॉ.) मेधा कुलकर्णी, प्रधान अन्वेषक (पीआई), और सह-प्रधान अन्वेषक (को-पीआई) प्रोफेसर (डॉ.) मीना देवगड़े कर रही हैं। इस पहल के तहत टीम ने तनाव प्रबंधन के लिए एक विशेष मोबाइल एप्लिकेशन भी विकसित किया है। दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त (कल्याण विभाग) श्री अतुल कटियार, आईपीएस ने आयुर्वेद की भूमिका और महत्व की सराहना

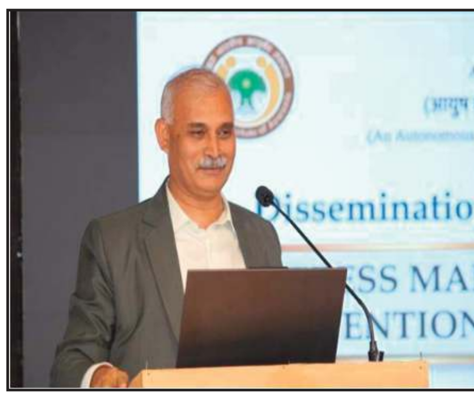

करते हुए इसकी शाश्वत ज्ञान और समग्र उपचार शक्ति पर प्रकाश डाला। उन्होंने पीएचआई परियोजना के लिए संस्थान को धन्यवाद भी दिया।

परियोजना के बारे में बात करते हुए, प्रोफेसर (डॉ.) मीना देवगड़े ने कहा कि पुलिसकर्मी अक्सर अत्यधिक शारीरिक और मानसिक दबाव में काम करते हैं, जिससे वे तनाव संबंधी विकारों के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील हो जाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य आयुर्वेद पर आधारित एक समग्र, निवारक और उपचारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करना है ताकि उनके मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का ध्यान रखा जा सके। उन्होंने कहा कि उत्साहजनक प्रतिक्रिया और मापने योग्य परिणाम आयुर्वेदिक हस्तक्षेपों की प्रभावशीलता को दशार्ते हैं।

परियोजना टीम ने 206 शिविरों का आयोजन किया, जहाँ 7,752 पुलिस कर्मियों की तनाव, उच्च रक्तचाप और संबंधित स्थितियों के लिए जाँच की गई। इनमें से 1,843 कर्मियों को आयुर्वेदिक उपचार प्रदान किए गए, जिनमें आंतरिक औषधियाँ और शिरोधारा जैसी चिकित्साएँ शामिल थीं। दिल्ली पुलिस के कल्याण विभाग ने दो इकाइयों में स्थान उपलब्ध कराकर इस पहल को सुगम बनाया।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली ने 24 मार्च, 2026 को पीएचआई परियोजना की एक दिवसीय प्रसार कार्यशाला का भी आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त (कल्याण विभाग) श्री अतुल कटियार, आईपीएस थे। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के सलाहकार डॉ. कौस्तुभ उपाध्याय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सत्र की अध्यक्षता एआईआईए के निदेशक प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने की। आयुष मंत्रालय की पीएचआई परियोजना की जन स्वास्थ्य सलाहकार डॉ. सुनीला गर्ग भी उपस्थित थीं।

कार्यशाला में विशेषज्ञों के व्याख्यान भी हुए। अरुणाचल प्रदेश के पासीघाट स्थित उत्तर पूर्वी आयुर्वेद एवं लोक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (एनईआईएएफएमआर) की सहायक प्रोफेसर डॉ. सजीना ए. ने ह्लस्मृति ध्यान के माध्यम से तनाव प्रबंधनह्व विषय पर एक सत्र प्रस्तुत किया। केरल के कोट्टक्कल स्थित वीपीएसवी आयुर्वेद कॉलेज की डॉ. अनुपमा कृष्णन ने ह्लजब काम मन को विचलित करता हैः व्यावसायिक तनाव और इसका आयुर्वेदिक प्रबंधनह्व विषय पर बात की, जिसमें आयुर्वेद पर आधारित समग्र और निवारक रणनीतियों पर जोर दिया गया।

यह कार्यशाला शोध निष्कर्षों के प्रसार और व्यावसायिक तनाव, विशेष रूप से पुलिस कर्मियों जैसे उच्च जोखिम वाले व्यवसायों से निपटने में आयुर्वेद की भूमिका को सुदृढ़ करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुई।

अंतरिक्ष स्टार्टअप्स के भारत के पहले समर्पित वेंचर कैपिटल फंड में तेजी आई; वित्तीय वर्ष 2027 से निवेश की उम्मीदः डॉ. जितेंद्र सिंह

अंतरिक्ष वेंचर फंड ₹1,005 करोड़ के कोष के साथ क्रियान्वित; वित्तीय वर्ष 2027 से निवेश की उम्मीदः डॉ. जितेंद्र सिंह

अंतरिक्ष स्टार्टअप फंड के लिए सेबी के बाद की औपचारिकताएं पूरी की गईं; निवेश चक्र जल्द होगा शुरूः डॉ. जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में लिखित उत्तर में जानकारी दी

(एजेंसी)।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान (स्वतंत्र प्रभार) और प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष विभाग राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए भारत का समर्पित वेंचर कैपिटल फंड तेजी से प्रगति कर रहा है और वित्तीय वर्ष 2027 की पहली तिमाही से चयनित स्टार्टअप्स में निवेश शुरू होने की उम्मीद है।

संसद के मौजूदा बजट सत्र के दौरान लोकसभा में एक अतारांकित प्रश्न के लिखित उत्तर में, डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि भारत के उभरते स्पेसटेक इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए स्थापित "अंतरिक्ष वेंचर कैपिटल फंड" को अब प्रमुख संस्थागत तंत्र के साथ संचालित किया गया है।

श्री बस्तीपति नागराजू ने अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए वेंचर कैपिटल फंड के तहत स्थिति, निवेश, लाभार्थियों, रिटर्न और रोजगार सृजन के संबंध में प्रश्न पूछा था।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि इस फंड की स्थापना सिडबी वेंचर कैपिटल लिमिटेड (एसवीसीएल) द्वारा निवेश प्रबंधक के रूप में की गई है। इस फंड को 31 अक्टूबर, 2025 को सेबी से पंजीकरण प्राप्त हुआ, और 10 नवंबर, 2025 को ₹1,005 करोड़ के प्रतिबद्ध कोष के साथ इसकी प्रारंभिक क्लोजिंग पूरी हुई।

अब तक हुई प्रगति के बारे में बताते हुए, मंत्री ने कहा कि पंजीकरण के बाद की जरूरी औपचारिकताएं—

जिनमें कस्टोडियन की नियुक्ति, अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड (एआईएफ) यूनिट जारी करने के लिए डिपॉजिटरी के साथ पंजीकरण, और स्क्रीनिंग व निवेश समितियों का गठन शामिल है—पूरी कर ली गई हैं।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने यह भी बताया कि स्पेसटेक स्टार्टअप्स का मूल्यांकन किया जा रहा है, और जिसमें प्री-इन्वेस्टमेंट कमेटी की स्वीकृति मिलने के बाद चार प्रस्ताव पहले से ही उन्नत चरण में हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत के स्पेसटेक स्टार्टअप इकोसिस्टम के अभी शुरूआती चरण में होने के कारण, कई स्टार्टअप्स को संस्थागत निवेश प्रक्रियाओं के अनुरूप ढलने के लिए समुचित मार्गदर्शन की आवश्यकता है।

केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि स्टार्टअप्स को "आवश्यक सहायता" प्रदान की जा रही है, ताकि वे अपने डेटा को व्यवस्थित कर सकें, दस्तावेजीकरण में सुधार कर सकें और उचित जांच-पड़ताल संबंधी जरूरतों को पूरा कर सकें। उन्होंने कहा कि इस सहायक दृष्टिकोण का उद्देश्य स्टार्टअप्स को प्रभावी ढंग से फंडिंग हासिल करने और अपने नवाचारों का विस्तार करने में सक्षम बनाना है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि विस्तृत मूल्यांकन, तीसरे पक्ष द्वारा उचित जांच-पड़ताल और दस्तावेजीकरण के पूरा होने के बाद, वित्तीय वर्ष 2027 की शुरूआत में फंडिंग की स्वीकृति और वितरण का पहला चरण शुरू होने की उम्मीद है।

वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी अंतरिक्ष इकोसिस्टम को बढ़ावा देने को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह पहल निजी क्षेत्र की भागीदारी को मजबूत करने, नवाचार को प्रोत्साहित करने और भारत को वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में एक अग्रणी देश के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

'युविका' कार्यक्रम युवा प्रतिभाओं को सशक्त बनाकर, अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भावी करियर के लिए प्रेरित कर रहा हैः डॉ. जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में लिखित उत्तर में जानकारी दी

सरकार 'युविका' कार्यक्रम के माध्यम से अंतरिक्ष क्षेत्र में शुरूआती स्तर पर ही प्रतिभाओं की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है; इस कार्यक्रम से 1,320 छात्रों को लाभ मिला, जो अंतरिक्ष विज्ञान में बढ़ती रुचि को दशार्ता हैः डॉ. जितेंद्र सिंह

'युविका' जैसी लक्षित पहलों के माध्यम से युवाओं में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा दिया जा रहा है और योग्यता-आधारित चयन से कार्यक्रम में पारदर्शिता सुनिश्चित की जा रही हैः डॉ. जितेंद्र सिंह

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान (स्वतंत्र प्रभार) और प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष विभाग राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज युवाओं में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए सरकार के निरंतर प्रयासों के बारे में उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 'युवा विज्ञानी कार्यक्रम' (युविका) स्कूली छात्रों को अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा रहा है।

संसद के मौजूदा बजट सत्र के दौरान लोकसभा में श्रीमती अनीता नागरसिंह चौहान द्वारा पूछे गए एक अतारांकित प्रश्न का उत्तर देते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि 'युविका' को विशेष रूप से प्रारंभिक चरण में छात्रों के बीच अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

केंद्रीय मंत्री ने विस्तार से बताया कि यह कार्यक्रम पूरे देश में कक्षा 9 में पढ़ने वाले छात्रों के लिए है। इसका उद्देश्य उन्हें अंतरिक्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी और इसके अनुप्रयोगों की बुनियादी समझ प्रदान करना है, साथ ही उन्हें अंतरिक्ष विज्ञान को भावी करियर के रूप में चुनने के लिए प्रेरित करना भी है।

चयन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि छात्रों को उनकी शैक्षणिक योग्यताओं की ऑनलाइन स्क्रीनिंग और उसके बाद एक ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता में उनके प्रदर्शन के आधार पर शॉर्टलिस्ट किया जाता है। अंतिम चयन, क्रेडेंशियल्स (योग्यता) के सत्यापन के बाद किया जाता है, जिससे एक निष्पक्ष और योग्यता-आधारित प्रक्रिया सुनिश्चित होती है।

राज्यों के साथ केन्द्रीय कृषि मंत्री की समीक्षा बैठकः किसान आईडी, उर्वरक की उपलब्धता और पीएम-आशा के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

19 राज्यों में अब तक 9.25 करोड़ किसान आईडी बनाई जा चुकी हैं- श्री शिवराज सिंह चौहान

श्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्यों को उर्वरक की जमाखोरी एवं कालाबाजारी पर सख्ती बरतने के दिए निर्देश

किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिले, शिकायतों का समय पर निवारण हो तथा खरीद सीधे किसानों से हो- श्री शिवराज सिंह चौहान

7 अप्रैल से क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन की जयपुर से होगी शुरूआत- केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान

(एजेंसी)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ वर्चुअल बैठक कर किसान आईडी, उर्वरक की उपलब्धता एवं विभिन्न कृषि योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि किसान आईडी किसानों को उनकी भूमि, फसल, पशुधन एवं मत्स्य पालन से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। अब तक 19 राज्यों में कुल 9.25 करोड़ किसान आईडी बनाई जा चुकी हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि राज्य सरकारों के कृषि एवं राजस्व विभाग संयुक्त रूप से अभियान चलाकर अगले 6 महीनों में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने की कोशिश करें। साथ ही व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाकर यह सुनिश्चित किया जाए कि किसान रजिस्ट्री केवल पीएम-किसान लाभार्थियों तक सीमित न रहे, बल्कि सभी पात्र किसानों को शामिल किया जाए।

उर्वरक उपलब्धता पर चर्चा करते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि किसानों को खाद की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। राज्यों को जमाखोरी एवं कालाबाजारी पर सख्ती बरतने के

निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी आधारित न्यायपूर्ण वितरण प्रणाली सुनिश्चित की जाए ताकि किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार उर्वरक उपलब्ध हो सके, साथ ही असंतुलित उपयोग को रोकने एवं जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता बढ़ाने पर बल दिया जाए।

सीमा क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने का निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि उर्वरक के अवैध आवागमन को रोकना आवश्यक है। हरियाणा के ह्लमेरी फसल मेरा ब्यौराह्व पहल की सराहना करते हुए उन्होंने इसे अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय बताया।

पीएम-आशा योजना के अंतर्गत दलहन एवं तिलहन के न्यूनतम समर्थन मूल्य (टरढ) पर खरीद की समीक्षा भी की गई। श्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत सरकार दलहन एवं तिलहन की खरीद टरढ पर करती है तथा राज्य इसके दिशा-निर्देशों के अनुसार भाग लेते हैं।

हाल ही में विभिन्न राज्यों को निम्नलिखित फसलों की खरीद हेतु स्वीकृति प्रदान की गई हैं:

आंध्र प्रदेश (चना, मूंग, उड़द, अरहर, मूंगफली); असम (सरसों); बिहार (मसूर); छत्तीसगढ़ (चना, मसूर, सरसों); गुजरात (चना, सरसों); हरियाणा (चना, सरसों); कर्नाटक (चना, कुसुम); महाराष्ट्र (चना); मध्य प्रदेश (चना); राजस्थान (चना, सरसों); तेलंगाना (चना, उड़द, मूंगफली, सूरजमुखी); उत्तर प्रदेश (चना, मसूर, सरसों)।

केन्द्रीय मंत्री ने निर्देश दिया कि उपज की खरीद सुनिश्चित की जाए। किसानों का पंजीकरण आधार आधारित पोर्टलों पर किया जाए तथा खरीद केंद्रों पर बायोमेट्रिक या फेस ऑथेंटिकेशन अनिवार्य किया जाए। भुगतान आधार-सक्षम उइळ के माध्यम से सीधे किसानों के खातों में किया जाए और साथ ही खरीद केन्द्रों की भी पर्याप्त संख्या हो जिससे किसान भाई-बहनों को समस्याओं का सामना न करना पड़े।

उन्होंने राज्यों से यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिले, शिकायतों का समय पर निवारण हो तथा खरीद सीधे किसानों से हो।

क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन पर दी गई ये जानकारी

इसके साथ ही क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन आयोजित करने के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि देश को पांच एग्रो-क्लाइमेटिक जोन में विभाजित कर व्यापक विचार-विमर्श किया जाएगा। इसके तहत वेस्टर्न जोन के लिए पहला सम्मेलन 7 अप्रैल को जयपुर में आयोजित किया जा रहा है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान (श्ङरअ) के बारे में मंत्री ने बताया कि पिछले वर्ष यह अभियान अत्यंत सफल रहा जिसमें 728 जिलों के 60,000 से अधिक गांवों में वैज्ञानिकों ने किसानों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं के बारे में जाना। उन्होंने कहा कि पूर्व की सफलता को देखते हुए राज्यों से इस साल भी मई माह में 15झ20 दिनों का यह अभियान चलाने का आग्रह किया। इसका उद्देश्य लैब टू लैंड कनेक्ट को मजबूत करना, नई तकनीकों, किस्मों एवं कृषि पद्धतियों का प्रसार करना है।

इस अभियान में Indian council of agricultral research एवं कृषि मंत्रालय का सहयोग रहेगा तथा राज्यों द्वारा नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। प्राथमिकता के क्षेत्रों में मृदा स्वास्थ्य, संतुलित उर्वरक उपयोग, गुणवत्तापूर्ण बीज के प्रति जागरूकता शामिल हैं।

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने बैठक के अंत में कहा कि किसानों को उचित मूल्य, पारदर्शी खरीद प्रणाली एवं प्रभावी वितरण तंत्र सुनिश्चित करना राज्यों की प्राथमिक जिम्मेदारी है जिससे कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाया जा सके। इस वर्चुअल बैठक में बिहार, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, हरियाणा, उत्तराखंड एवं मध्य प्रदेश के कृषि मंत्रियों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

बिलसंडा के कनपरी प्राथमिक विद्यालय में नए सत्र की किताबें वितरित, ग्राम प्रधान ने बच्चों के हाथों में थमाई पुस्तकें

(एजेंसी)।

पीलीभीत, जनपद पीलीभीत के विकासखंड बिलसंडा अंतर्गत ग्राम कनपरी के प्राथमिक विद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत उत्साह के साथ हुई। यहां सभी छात्र-छात्राओं को नई किताबें वितरित की गईं, जिससे बच्चों के चेहरों पर खुशी की लहर दौड़ गई। यह वितरण नए एडमिशन वाले छात्रों के लिए भी विशेष रूप से आयोजित किया गया, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।कार्यक्रम में स्कूल के हेडमास्टर महेश पाल उपस्थित रहे। उनके साथ मनोज शर्मा और सूरज पाल गंगवार ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। सबसे खास बात यह रही कि ग्राम प्रधान मुन्नी देवी ने अपने हाथों से बच्चों को नई सत्र की पुस्तकें थमाईं।

ग्राम प्रधान ने कहा, "शिक्षा ही गांव के विकास की कुंजी है। हमारा प्रयास रहेगा कि हर बच्चा किताबों से जुड़े और पढ़ाई में आगे बढ़े।"यह आयोजन ग्रामीण शिक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और ग्राम प्रधान की इस पहल की सराहना की है। नए सत्र में एडमिशन प्रक्रिया भी सुचारू रूप से चल रही है, जिससे गांव के अधिक से अधिक बच्चे स्कूल पहुंच सकें।

थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा 02 अभियुक्त गिरफ्तार

(एजेंसी)।

राजधानी लखनऊ/ प्रयागराज

थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा 02 अभियुक्त गिरफ्तार व 03 बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया, कब्जे से चोरी की 05 मोटरसाइकिल बरामद

घटना का संक्षिप्त विवरण-आज

दिनांक-31.03.2026 की रात्रि में थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत सैदाबाद तिराहे पर संदिग्ध वाहनों/व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत सैदाबाद स्थित पावरहाउस नहर पुलिया के पास कुछ संदिग्धों के चोरी की मोटरसाइकिल के साथ मौजूद होने की सूचना प्राप्त हुई । इस सूचना पर थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर 01 अभियुक्त शैलेन्द्र पटेल पुत्र उदयराज निवासी ग्राम मोहम्मदाबाद बेलहरा थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज को गिरफ्तार किया गया तथा 02 बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया । उपरोक्त अभियुक्त व बाल अपचारी के कब्जे से थाना हण्डिया पर पंजीकृत मु0अ0सं0-134/2026 धारा-303(2) भा0न्या0सं0 से सम्बंधित चोरी की 01 मोटरसाइकिल बरामद की गयी तथा पूछताछ के आधार पर थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत भेस्की पुलिया के पास 01 अन्य अभियुक्त तीरथ सरोज पुत्र धनेश सरोज निवासी ग्राम सिंधापुर मन्सूराबाद थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज व 01 बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया जिनके कब्जे से विभिन्न थाना क्षेत्रान्तर्गत चोरी की 04 मोटरसाइकिल बरामद की गयी । उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर थाना हण्डिया पर पंजीकृत मु0अ0सं0-134/2026 धारा-303(2) भा0न्या0सं0 में धारा-317(2)/ 317(4)317(5)/ 319(2)/ 318(4)/ 336(3)/ 338/340(2)/342(1) भा0न्या0सं0 की बढ़ोत्तरी की गयी। पुलिस की कार्यवाही-*

श्रीमान् पुलिस आयुक्त महोदय व अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में श्रीमान् पुलिस उपायुक्त व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त हण्डिया के कुशल नेतृत्व में थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक-31.03.2026

को थाना हण्डिया पर पंजीकृत मु0अ0सं0-134/2026 धारा-303(2) भा0न्या0सं0 से सम्बंधित 01 अभियुक्त शैलेन्द्र पटेल पुत्र उदयराज निवासी ग्राम मोहम्मदाबाद बेलहरा थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत सैदाबाद स्थित पावर हाउस के पास से गिरफ्तार किया गया तथा 02 बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया तथा अभियुक्त तीरथ सरोज पुत्र धनेश सरोज निवासी ग्राम सिंधापुर मन्सूराबाद थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत भेस्की पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया तथा 01 बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया । उपरोक्त अभियुक्तों/बाल अपचारी के कब्जे से मुकदमा उपरोक्त में चोरी की मोटरसाइकिल तथा चोरी की 04 अन्य मोटरसाइकिल बरामद किया गया । उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा-317(2)/ 317(4)317(5)/ 319(2)/ 318(4)/ 336(3)/ 338/ 340(2)/342(1) भा0न्या0सं0 की बढ़ोत्तरी कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गयी ।

पूछताछ का विवरण-

गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ करने पर यह तथ्य प्रकाश में आया कि उपरोक्त अभियुक्तों द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर आस-पास के थाना क्षेत्रों में दिन मे घूमकर मौका पाकर मोटरसाइकिल चुरा लिया जाता था तथा आपस में एक-दूसरे के यहां छिपाकर रखते थे एवं उचित दाम मिलने पर चोरी किये गये मोटरसाइकिलों को बेचकर जो पैसा मिलता उससे अपनी जरूरत व शौक पूरे करते थे ।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण-

1. शैलेन्द्र पटेल पुत्र उदयराज निवासी ग्राम मोहम्मदाबाद बेलहरा थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 27 वर्ष ।

2. तीरथ सरोज पुत्र धनेश सरोज निवासी ग्राम सिंधापुर मन्सूराबाद थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 21 वर्ष ।

अभियुक्त शैलेन्द्र पटेल उपरोक्त का आपराधिक इतिहास-

1. मु0अ0सं0-134/2026 धारा-303(2) भा0न्या0सं0 व बढ़ोत्तरी धारा- 317(2)/ 317(4)317(5)/319(2)/318(4) / 336(3)/ 338/ 340(2)/ 342(1) भा0न्या0सं0 थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

2. मु0अ0सं0-70/26 धारा-303(2) भा0न्या0सं0 थाना सरायइनायत कमिश्नरेट प्रयागराज ।

3. मु0अ0सं0-49/ 26 धारा-303(2) भा0न्या0सं0 थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।

अभियुक्त तीरथ सरोज उपरोक्त का आपराधिक इतिहास-

1. मु0अ0सं0-134/ 2026 धारा-303(2) भा0न्या0सं0 व बढ़ोत्तरी धारा- 317(2)/ 317(4)317(5)/ 319(2)/ 318(4)/ 336(3)/ 338/ 340(2)/342(1) भा0न्या0सं0 थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

2. मु0अ0सं0-70/26 धारा-303(2) भा0न्या0सं0 थाना सरायइनायत कमिश्नरेट प्रयागराज ।

3. मु0अ0सं0-49/26 धारा-303(2) भा0न्या0सं0 थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।

सम्बंधित अभियोग का विवरण-

मु0अ0सं0-134/2026 धारा-303(2) भा0न्या0सं0 व बढ़ोत्तरी धारा- 317(2)/ 317(4)317(5)/ 319(2)/ 318(4)/ 336(3)/ 338/ 340(2)/342(1) भा0न्या0सं0 थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

बरामदगी का विवरण-

* हीरो स्प्लेण्डर वाहन सं0 वढ 70 ऋऊ1804 (थाना हण्डिया पर पंजीकृत मु0अ0सं0-134/26 धारा-303(2) भा0न्या0सं0 से सम्बंधित)

* स्प्लेण्डर प्लस मोटरसाइकिल वाहन सं0- वढ 70 ऋछ 8237 (थाना सरायइनायत पर पंजीकृत मु0अ0सं0-70/26 धारा-303(2) भा0न्या0सं0 से सम्बंधित) ।

* स्प्लेण्डर प्लस मोटरसाइकिल वाहन सं0- वढ 70 ऋछ 4686 (थाना फाफामऊ पर पंजीकृत मु0अ0सं0-49/26 धारा-303(2) भा0न्या0सं0 से सम्बंधित) ।

* स्प्लेण्डर प्लस मोटरसाइकिल वाहन सं0- वढ 70 लत्र 6046 (ऑनलाइन शिकायत दर्ज सं0 202600028773) ।

* स्प्लेण्डर प्लस मोटरसाइकिल वाहन सं0- वढ 70 लअ 5558

गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम-

1. प्र0 निरी0 नितेन्द्र कुमार शुक्ला, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

2. व0उ0नि0 रामअनुज सिंह, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

3. उ0नि0 गौरव तिवारी, चौकी प्रभारी सैदाबाद थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

4. उ0नि0 गौतम कुमार, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

5. उ0नि0 अनूप वर्मा, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

6. उ0नि0 आसुतोष कुमार, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

7. उ0नि0 अजीत कुमार साहनी, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

8. उ0नि0 विनय सिंह राठौर, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

9. हे0का0 सुब्बाराज राजभर, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

10. हे0का0 अनीश कुमार सिंह, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

11. का0 दिनेश सिंह चौहान, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

12. का0 रितुराज सिंह, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

13. का0 प्रदीप दूबे, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

किसानों की अनदेखी भारी पड़ेगी, बड़े आंदोलन की तैयारी में भाकियू भानु

(एजेंसी)।

पीलीभीत। भारतीय किसान यूनियन (भानु) की मासिक पंचायत बुधवार को मंडी समिति स्थित किसान विश्रामगृह में जिला अध्यक्ष भजनलाल क्रोधी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। पंचायत का संचालन जिला उपाध्यक्ष बाबूराम वर्मा ने किया। बैठक में किसानों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई और प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए गए।पंचायत को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष भजनलाल क्रोधी ने कहा कि शासन की नीतियों के अनुरूप किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है। जनपद में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है, जिससे किसानों का खुला शोषण हो रहा है। उन्होंने कार्यकताओं से संगठन को मजबूत करते हुए बड़े आंदोलन की तैयारी करने का आह्वान किया।जिला उपाध्यक्ष बाबूराम वर्मा ने आरोप लगाया कि अधिकारियों द्वारा किसानों की शिकायतों का फर्जी निस्तारण किया जा रहा है, जो मुख्यमंत्री के सख्त निर्देशों का खुला उल्लंघन है। उन्होंने बताया कि संगठन के कार्यकर्ता शीघ्र ही गोरखपुर जाकर मुख्यमंत्री को किसानों की समस्याओं से अवगत कराएंगे, ताकि पीड़ित किसानों को न्याय मिल सके।जिला सचिव बालमुकुंद प्रजापति ने किसानों को गेहूं विक्रय के लिए समय से पंजीकरण कराने की सलाह दी, जिससे सरकारी खरीद में किसी प्रकार की दिक्कत न हो। वहीं कोषाध्यक्ष रोहन सिंह ने संगठन की कार्यशैली पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संविधान की शपथ लेने वाले ही किसानों का उत्पीड़न कर रहे हैं।नगर अध्यक्ष जहानाबाद सियाराम गंगवार ने पीलीभीत से जहानाबाद होते हुए रेल लाइन निर्माण की मांग का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से क्षेत्र के किसानों को रेल सुविधा मिलेगी और यह एक जनहित का महत्वपूर्ण कार्य होगा। इसके लिए जल्द ही एक विशाल पंचायत कर जनप्रतिनिधियों और रेलवे विभाग को ज्ञापन सौंपा जाएगा।ब्लॉक अध्यक्ष बिलसंडा राकेश यादव ने राजस्व और पुलिस प्रशासन पर किसानों के साथ पक्षपात करने का आरोप लगाया और इस पर गहरी चिंता व्यक्त की किसानों की समस्याओं का निस्तारण नहीं हुआ है। पंचायत में मौजूद अन्य किसानों ने भी प्रशासन द्वारा समस्याओं की अनदेखी और विकास कार्यों में कमी को लेकर भारी आक्रोश जताया।इस दौरान बड़ी संख्या में किसान और संगठन के कार्यकर्ता मौजूद रहे।पंचायत में जिला अध्यक्ष भजन लाल क्रोधी, बाबूराम वर्मा जिला उपाध्यक्ष, बालमुकुन्द जिला सचिव, महेंद्र पाल गंगवार पूर्व सैनिक तहसील अध्यक्ष, दीनदयाल शास्त्री तहसील मीडिय प्रभारी,राकेश प्रताप यादव बिलसंडा ब्लॉक अध्यक्ष,गयाप्रसाद वरिष्ठ ब्लॉक उपाध्यक्ष, सियाराम नगर अध्यक्ष जहानाबाद, रोहनसिंह कोषाध्यक्ष, दौलत सिंह विधानसभा महासचिव अमरिया, निसार शाह जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा, जयन्ती देवी,उर्मिला देवी,मुन्नी देवी, रामलली,कमलादेवी, पार्वती देवी, तारावती, वेदवती, अनिल शर्मा के अलावा अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

समाजवादी पार्टी के नेता नकली नोट के गिलोह का मास्टरमाइंड निकला। प्रयागराज में नकली नोटों का बड़ा भंडाफोड़, आरोपी गिरफ्तार

(एजेंसी)।

राजधानी लखनऊ /प्रयागराज

प्रयागराज कमिश्नरी की सरायइनायत पुलिस व एसओजी/सर्विलांस सेल गंगानगर की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नकली भारतीय मुद्रा बनाने और खपाने वाले गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 1,18,300 रुपये के जाली नोट, एक कार, एक मोटरसाइकिल समेत नोट छापने के उपकरण बरामद किए हैं।

घेराबंदी कर दबोचे गए आरोपी

पुलिस को 30 मार्च की रात करीब 10 बजे सूचना मिली कि झूंसी हबूसा मोड़ से सहसों मार्ग पर कुछ संदिग्ध व्यक्ति नकली नोटों के साथ मौजूद हैं। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में राहुल यादव एवं विवेक कुमार यादव निवासी भदोही तथा नरेन्द्र यादव उर्फ विराट एवं धर्मेन्द्र कुमार निवासी देवरिया शामिल हैं।

नकली नोट बनाने का पूरा सेटअप बरामद

पुलिस ने आरोपियों के पास से 1,18,300 के जाली नोट (₹500 के 200 नोट व ₹100 के 183 नोट) कार व मोटरसाइकिल, लैपटॉप, 2 प्रिंटर, 5 मोबाइल फोन, इंकजेट पेपर व बॉन्ड पेपर सहित अन्य उपकरण बरामद किए हैं।

देवरिया में बनते थे नकली नोट

पूछताछ में सामने आया कि गिरोह संगठित तरीके से काम कर रहा था। आरोपी देवरिया में एक कमरे में लैपटॉप व प्रिंटर की मदद से नकली नोट छापते थे और फिर उन्हें छोटे ग्रामीण बाजारों में 100-500 रुपये के रूप में खपाने की योजना बनाते थे, ताकि आसानी से पकड़ में न आएं। इस पूरे नेटवर्क का संचालन एक अन्य आरोपी विवेक यादव (गौरी बाजार, देवरिया) द्वारा किया जाताा था, जो फिलहाल फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया है।

पहले भी जेल जा चुका है मुख्य आरोपी

गिरफ्तार अभियुक्त धर्मेन्द्र कुमार पूर्व में भी नकली नोट के मामले में देवरिया के रामपुर करखाना थाना से जेल जा चुका है। वहीं विवेक कुमार यादव पर भी पूर्व से आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस का सख्त अभियान जारी

पुलिस आयुक्त व वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नकली नोट गिरोहों पर कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी और फरार आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

मुकदमा दर्ज

थाना सरायइनायत में धारा 178/179/180 भा.न्या.सं. में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बीसलपुर प्राथमिक विद्यालय में खंड शिक्षा अधिकारी हर्षित शर्मा और एसडीएम नागेंद्र पाण्डेय ने किया बच्चों का सम्मानित

(एजेंसी)।

पीलीभीत, 1 अप्रैल 2026: जनपद पीलीभीत के बीसलपुर खंड शिक्षा अधिकारी हर्षित शर्मा और एसडीएम नागेंद्र पाण्डेय ने पी एम श्री प्राथमिक विद्यालय दुबे का दौरा कर छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन का सम्मान किया। इस अवसर पर दोनों अधिकारियों ने बच्चों को उनके परीक्षा परिणाम की जानकारी दी और प्रमाण-पत्र वितरित किए।परिणाम वितरण के बाद बच्चों को शील्ड, पाठ्यपुस्तकें और कॉपियां भेंट की गईं, ताकि वे अपनी पढ़ाई में और प्रगति कर सकें।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानाध्यापक सौरभ बाजपेयी, शिक्षामित्र अमरीन गीता और बड़ी संख्या में बच्चों के अभिभावक उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है।यह आयोजन स्थानीय स्तर पर शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय कदम है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में उत्साह का संचार हुआ।

बिल्हौर मार्ग पर एक सड़क हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल

(एजेंसी)। उन्नाव

बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में बिल्हौर मार्ग पर बुधवार दोपहर एक सड़क हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। गंगा पुल के निकट एक अनियंत्रित बाइक बिजली के खंभे से टकरा गई। घायल युवक को जिला पंचायत सदस्य गगन सिंह और ग्राम प्रधान प्रतिनिधि जितेंद्र सिंह ने अस्पताल पहुंचाया।

यह घटना बुधवार दोपहर करीब दो बजे हुई। सामने से आए एक वाहन को बचाने के प्रयास में बाइक सवार अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक क्षतिग्रस्त हो गई और सवार गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल युवक की पहचान ग्लोरियापुरवा थानाजी बिल्हौर निवासी सौरभ सिंह (25) पुत्र रामसिंह के रूप में हुई है। सौरभ किसी काम से हरदोई गया था और वहां से अपने घर लौट रहा था, तभी यह हादसा हुआ।

हादसे के समय उधर से गुजर रहे जिला पंचायत सदस्य बिल्हौर गगन सिंह और कार में सवार ग्राम प्रधान प्रतिनिधि जितेंद्र सिंह ने तुरंत घायल युवक को उठाया। उन्होंने तत्काल एक ऑटो की मदद से उसे निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

घटना की सूचना मिलने के बाद अस्पताल पहुंचे परिजनों का बुरा हाल है। स्थानीय लोगों, जिनमें नारायण और रामकुमार शामिल हैं, ने बताया कि हादसे के बाद कई वाहन गुजरे, लेकिन किसी ने मदद नहीं की। जिला पंचायत सदस्य गगन सिंह की त्वरित सहायता की सराहना की जा रही है।

आसत चौराहे पर एक सड़क दुर्घटना में चार लोग घायल

(एजेंसी)।

उन्नाव के बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में आसत चौराहे पर एक सड़क दुर्घटना में चार लोग घायल हो गए। एक तेज रफ्तार बाइक पैदल जा रहे युवक से टकरा गई, जिससे बाइक सवार पति-पत्नी, उनकी मासूम बच्ची और पैदल यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए।

यह घटना लखनऊ मार्ग स्थित आसत चौराहे पर हुई। जानकारी के अनुसार, फतेहपुर हमजा निवासी रिजवान (45 वर्ष) अपनी पत्नी सोफिया (42 वर्ष) और 5 वर्षीय बेटी अलमैया के साथ बाइक से बांगरमऊ से असत की ओर जा रहे थे।

इसी दौरान, आसत गांव निवासी बबलू राठौर (35 वर्ष) सड़क पार कर रहे थे और अचानक बाइक के सामने आ गए। बाइक चालक ने रोकने का प्रयास किया, लेकिन बाइक अनियंत्रित होकर बबलू राठौर से जा टकराई।

इस टक्कर में बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और बाइक सवार तीनों लोग (रिजवान, सोफिया, अलमैया) तथा पैदल यात्री बबलू राठौर गंभीर रूप से घायल हो गए।

आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत सभी घायलों को डायल 108 एंबुलेंस की मदद से बांगरमऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद, चिकित्सकों ने सभी घायलों को जिला अस्पताल उन्नाव रेफर कर दिया।

गौहनिया पंचायत में विकास के नाम पर घोटाला ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, भाकियू से लगाई न्याय की गुहार

(एजेंसी)।

पीलीभीत बिलसंडा ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत गौहनिया में विकास कार्यों के नाम पर बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। आरोप है कि ग्राम प्रधान ने बिना कोई कार्य कराए ही ग्राम निधि खाते से भारी धनराशि निकालकर बंदरबांट कर दी।ग्रामीणों का कहना है कि कागजों में विकास कार्य पूरे दिखाए जा रहे हैं, जबकि जमीनी हकीकत बिल्कुल अलग है। गांव में न तो सड़कों का निर्माण हुआ, न ही अन्य मूलभूत सुविधाओं पर कोई काम नजर आ रहा है। इसके बावजूद लाखों रुपये खर्च दिखाकर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया है।

ग्रामीणों ने बताया कि इस गंभीर भ्रष्टाचार की शिकायत कई बार उच्च अधिकारियों से की जा चुकी है, लेकिन हर बार मामले को दबाने का प्रयास किया गया। आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी भी इस पूरे खेल में मौन साधे हुए हैं, जिससे भ्रष्टाचारियों के हौसले बुलंद हैं।अब परेशान होकर ग्रामीणों ने भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के नेताओं का दरवाजा खटखटाया है।

भाकियू नेताओं ने मामले को गंभीरता से लेते हुए भ्रष्टाचार की जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई है।ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि ग्राम निधि खाते से अवैध तरीके से बड़ी रकम निकाली गई है, जिसकी निष्पक्ष जांच कराई जाए। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।ग्रामीणों की मांग:

पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो दोषी प्रधान और संबंधित अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई हो ग्राम निधि के खर्च का सार्वजनिक लेखा-जोखा दिया जाए

अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस गंभीर मामले में क्या कदम उठाता है या फिर एक बार फिर भ्रष्टाचार पर पर्दा डाल दिया

प्रयागराज में स्कूल चलो अभियान की शुरूआत, एमएलसी और विधायकों ने किया हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ

(एजेंसी)।

राजधानी लखनऊ /प्रयागराज

प्रयागराज में स्कूल चलो अभियान की शुरूआत, एमएलसी और विधायकों ने किया हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ

April 1, 2026

प्रयागराजः जनपद में शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए स्कूल चलो अभियान के प्रथम चरण का शुभारंभ बुधवार को जिला पंचायत सभागार में महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर किया।

इस अवसर पर शिक्षा को समाज के विकास की आधारशिला बताते हुए अभिभावकों से बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने की अपील की गई। कार्यक्रम में एमएलसी सुरेन्द्र चौधरी, विधायक हर्षवर्धन वाजपेयी, विधायक राजमणि कोल, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा सहित अन्य अधिकारियों ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए अधिक से अधिक नामांकन सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

इस दौरान बच्चों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें वितरित की गईं। उत्कृष्ट उपस्थिति वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया और स्कूल चलो अभियान की एलईडी वैन को रवाना किया गया। साथ ही 95 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास स्थापना में सहयोग देने वाले संस्थानों और नामांकन वृद्धि में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। अभियान का उद्देश्य 3 से 14 वर्ष तक के सभी बच्चों का नामांकन सुनिश्चित कर ह्लहर बच्चा स्कूल मेंह्व के लक्ष्य को साकार करना है।

ओटीपी न आने से गैस उपभोक्ता परेशान, केवाईसी के चलते एजेंसी पर लगी भीड़

(एजेंसी)।

पीलीभीत। जनपद के बरखेड़ा क्षेत्र के ग्राम बहादुरपुर हुक्मी में स्थित संतोष इंडियन गैस एजेंसी पर इन दिनों उपभोक्ताओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। ओटीपी न आने और केवाईसी की प्रक्रिया के कारण लोग घंटों लाइन में खड़े रहने को मजबूर हैं, जिससे उपभोक्ताओं में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि एक ओर ओटीपी न मिलने से गैस बुकिंग और वितरण में दिक्कत आ रही है, वहीं दूसरी ओर केवाईसी अनिवार्य किए जाने से एजेंसी पर सैकड़ों की संख्या में भीड़ जमा हो रही है। भीषण गर्मी में लाइन में लगे रहने से लोगों का हाल बेहाल है।

उपभोक्ताओं के अनुसार एजेंसी द्वारा स्पष्ट रूप से कहा जा रहा है कि जब तक ओटीपी और केवाईसी पूरी नहीं होगी, तब तक गैस सिलेंडर नहीं दिया जाएगा। वहीं केवाईसी के दौरान 150 रुपये में पाइप भी दिया जा रहा है, जिससे लोगों में असंतोष है।

एजेंसी कर्मियों का कहना है कि केवाईसी प्रक्रिया पूरी होने के 24 घंटे बाद उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर पर ओटीपी आएगा, जिसके बाद ही गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा। इस बीच उपभोक्ताओं को बार-बार एजेंसी के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

गांव के लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि समस्या का जल्द समाधान कराया जाए, ताकि उपभोक्ताओं को राहत मिल सके और गैस वितरण व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित हो सके।

बीसलपुर सीएससी में अधीक्षक के संरक्षण में चल रहे दर्जनों अनौपचारिक अल्ट्रासाउंड सेन्टर

महिलाओं को हो रही जमकर परेशानियां प्रशासन इस ओर नहीं दे रहा ध्यान

(एजेंसी)।

बीसलपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएससी) में स्वास्थ्य अधीक्षक की उदासीनता के चलते दर्जन भर से अधिक अल्ट्रासाउंड सेंटर संचालित हो रहे हैं अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर डॉक्टरों की कमी के कारण अनट्रेंड स्टाफ द्वारा अल्ट्रासाउंड कराये जा रहे हैं। इससे रिपोर्ट्स में गड़बडी होने की आशंका बनी रहती है, जिसके कारण महिलाओं को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है,स्थानीय निवासियों के अनुसार, इन सेंटरों पर योग्य डॉक्टर उपलब्ध नहीं होने के बावजूद अप्रशिक्षित स्टाफ अल्ट्रासाउंड मशीन चला रहा है। गलत रिपोर्ट्स के चलते गर्भवती महिलाओं समेत कई

मरीजों को गलत इलाज का शिकार होना पड़ रहा है, कई बार शिकायतें होने के बावजूद में अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर कोई कार्यवाही नहीं हो पा रही हैं,एक प्रभावित महिला ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, कि जब मैने अपना अल्ट्रासाउंड कराया तो उसमें रिपोर्ट गलत आई, जिससे समय पर सही इलाज नहीं हो सका। कई बार शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं,स्थानीय लोगों ने मांग की है कि इस मामले की जांच हो और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

इस प्रकरण पर जब मुख्य चिकित्सा अधिकारी आलोक शर्मा से फोन पर वार्ता हुई तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि तीन सदस्य पैनल का गठित कर दिया गया है जल्द ही रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाएगी फाइनल में निम्न लोग सम्मिलित किए गए हैं एसडीएम बीसलपुर नागेंद्र पाण्डेय, एम ओ आई सी बीसलपुर आलमगीर और क्षेत्राधिकार बीसलपुर प्रगति चौहान

बीडीओ- ए पी ओ-अकाउंटेंट की गैंग ने खोला भ्रष्टाचार का 'ब्लैकमेल बाजार'! विकास के नाम पर लाखों की लूट, सरकारी खजाना हो रहा खाली!

(एजेंसी)।

बीसलपुर विकासखंड में बीडीओ, ए पी ओ और अकाउंटेंट की भ्रष्ट तिगड़ी ने विकास के नाम पर भ्रष्टाचार का ऐसा काला धंधा चला रखा है कि सरकारी खजाना तेजी से खाली हो रहा है। विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक, कमीशनखोरी के बहाने ब्लॉक परिसर में जनरेटर के डीजल और विभागीय गाड़ियों के ईंधन के नाम पर हर महीने 40 से 50 हजार रुपये तक की जमकर हेराफेरी हो रही है। यह लूट का सिलसिला इतना संगठित है कि तीनों 'महारथी' ने

मिलीभगत से भ्रष्टाचार की 'पीएचडी' की डिग्री हासिल कर ली है स्थानीय लोगों और सूत्रों का कहना है कि ये अधिकारी फर्जी बिलों का जाल बुनकर जनरेटर में डीजल भरने, वाहनों के रखरखाव और मरम्मत के नाम पर सरकारी फंड को चूस रहे हैं। हर बिल में दोगुना-तिगुना डीजल दिखाकर कमीशन की भेंट चढ़ा दिया जाता है। उच्च अधिकारियों की आँखों में धूल झोंकते हुए यह काला कारोबार सालों से फल-फूल रहा है। ग्रामीणों में आक्रोश है—कब तक चलेगा यह लूट का तांडव? जांच एजेंसियों को जागना होगा वरना विकासखंड का खजाना पूरी तरह सूख जाएगा!

झारखंड के हजारीबाग में बलि अनुष्ठान के दौरान किशोरी का गला घोंटकर हत्या; मां और दो अन्य गिरफ्तार

(एजेंसी)।

कुसुम्भा गाँव में एक चौंकाने वाली घटना में, पुलिस ने एक किशोर लड़की की बलि अनुष्ठान के दौरान हुई मौत के संबंध में उसकी माँ सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक अनजानी अंजन और हजारीबाग के डीआईजी अनजानी झा ने देर रात एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में गिरफ्तारियों की घोषणा की।

हजारीबाग में बलिदान के दौरान किशोरी की हत्या

गिरफ्तार लोगों में पीड़ित की 35 वर्षीय माँ रेशमी देवी, 55 वर्षीय तांत्रिक शांति देवी और 40 वर्षीय भीम राम शामिल हैं। ये सभी एक ही गाँव के निवासी हैं। अनजानी अंजन के अनुसार, रेशमी देवी अपने सबसे छोटे बेटे की मानसिक और शारीरिक बीमारियों के लिए अक्सर तांत्रिक से सलाह लेती थी।

तंत्रिक ने कथित तौर पर सलाह दी थी कि एक कुंवारी लड़की की बलि देने से बेटे का इलाज हो जाएगा। 24 मार्च को, अष्टमी की रात के उत्सव और रामनवमी जुलूस के दौरान, लड़की को कथित तौर पर शांति देवी के घर में उसकी माँ और भीम राम ने गला घोंटकर मार डाला। पुलिस का दावा है कि तांत्रिक ने लड़की के निजी अंगों में लकड़ी की छड़ी डाली, जबकि भीम राम ने अनुष्ठान के लिए खून निकालने के लिए उसके सिर पर प्रहार किया।

हत्या के बाद, लड़की के शव को एक बगीचे में दफना दिया गया था। आरोपियों ने बलात्कार का आरोप लगाकर जांचकताओं को गुमराह करने की कोशिश की, जिसका पोस्टमॉर्टम और फोरेंसिक रिपोर्टों से समर्थन नहीं मिला। भीम राम पर अपनी भाभी और एक अन्य व्यक्ति की हत्या का भी आरोप है।

झारखंड हाई कोर्ट ने मामले का स्वतः संज्ञान लिया है, राज्य प्रशासन और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी किया है। न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद और न्यायमूर्ति संजय प्रसाद की एक खंडपीठ ने घटना से संबंधित मीडिया रिपोर्टों पर कार्रवाई की।

शुरूआत में, रेशमी देवी ने दावा किया था कि उसकी बेटी का अपहरण कर लिया गया था, और उसका शव 25 मार्च को एक गाँव के खेत में मिला था। इस मामले ने जनता में काफी आक्रोश पैदा किया है, जिसके चलते विपक्षी भाजपा ने सोमवार को हजारीबाग में हत्या के विरोध में 12 घंटे का बंद आयोजित किया।

डीपीएस प्रयागराज में गूंजा मेधावी छात्रों का सम्मान 'स्कॉलर ट्रॉफी 2025-26' का भव्य आयोजन

(एजेंसी)।

राजधानी लखनऊ /प्रयागराज

-बौद्धिक उत्कृष्टता को मिला मंच, प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

प्रयागराज

डीपीएस का प्रांगण बुधवार को हर्षोल्लास और उत्साह से सराबोर नजर आया, जब प्रतिष्ठित ह्यस्कॉलर ट्रॉफी 2025-26ह्व अलंकरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों और बौद्धिक क्षमता के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. ज्योति बैजल (विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय) ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। समारोह में विद्यालय के गौरवशाली पूर्व छात्र एवं नव-नियुक्त आईपीएस अधिकारी अनिंद्य पांडेय, विद्यालय की अध्यक्षा

सोनू सिंह तथा प्रधानाचार्या डॉ. सुजाता सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में विद्यार्थियों के समर्पण और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान प्रतिभाओं को निखारने का उत्कृष्ट मंच है। उन्होंने विद्यार्थियों में ज्ञान के प्रति अटूट जिज्ञासा और सीखने की ललक को प्रेरणादायक बताया। प्रधानाचार्या डॉ. सुजाता सिंह ने विद्यार्थियों की सफलता का श्रेय उनके कठिन परिश्रम, अभिभावकों के सहयोग और शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने कहा कि नए सत्र 2026-27 की शुरूआत इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के साथ होना विद्यालय की उत्कृष्ट परंपरा और निरंतर प्रगति का प्रतीक है। समारोह के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनोहारी प्रस्तुतियों ने वातावरण को और भी उल्लासमय बना दिया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। पूरे परिसर में एक सफल शैक्षणिक सत्र की उपलब्धियों और भविष्य के उज्वल संकल्पों की झलक स्पष्ट दिखाई दी।

चंडीगढ़ में भाजपा कार्यालय के बाहर हुए ग्रेनेड विस्फोट को सिखों की हत्याओं का प्रतिशोध बताया जा रहा है।

(एजेंसी)।

बुधवार को पंजाब बीजेपी मुख्यालय के बाहर एक विस्फोट हुआ, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। एक सोशल मीडिया पोस्ट ने ग्रेनेड हमले को सिख युवाओं की हत्या का बदला बताया। पुलिस को संदेह है कि एक कच्चे उपकरण का इस्तेमाल किया गया था, और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (ठक्अ) इस घटना की जांच कर रही है, जो शाम करीब 5 बजे हुई।

चंडीगढ़ में भाजपा कार्यालय पर ग्रेनेड विस्फोट से हमला हुआ

बीजेपी की राज्य इकाई की प्रमुख सुनील जाखड़ ने इसे पार्टी कार्यालय पर हमला बताया। सोशल मीडिया पर एक अप्रमाणित वीडियो में एक व्यक्ति को ग्रेनेड की पिन निकालते और उसे फेंकते हुए दिखाया गया है, जिसके बाद एक विस्फोट हुआ। 10-सेकंड की क्लिप में शामिल लोगों के चेहरे दिखाई नहीं दे रहे थे, और इसकी प्रामाणिकता अप्रमाणित बनी हुई है।

सुखजिंदर सिंह बब्बर द्वारा की गई एक सोशल मीडिया पोस्ट ने हमले की जिम्मेदारी ली, जिसमें पंजाब में सिख युवाओं को निशाना बनाने वाली कार्रवाइयों के खिलाफ चेतावनी दी गई। पोस्ट में रणजीत सिंह का भी उल्लेख किया गया था, जिसे 22 फरवरी को दो पुलिसकर्मियों से जुड़े हत्या के एक मामले में आरोपी बनाए जाने के बाद पुलिस के साथ मुठभेड़ में मार दिया गया था।

चंडीगढ़ की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कंवरदीप कौर ने कहा कि एक छोटा, कच्चा उपकरण फेंका गया प्रतीत होता है। पंजाब बीजेपी कार्यालय के पास शाम करीब 5 बजे विस्फोट की सूचना मिली थी। केंद्रीय फोरेंसिक प्रयोगशाला की एक टीम घटनास्थल पर भेजी गई थी, और पुलिस जिम्मेदार लोगों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा कर रही है।

पार्टी की राज्य मीडिया सेल के प्रमुख विनीत जोशी ने कहा कि कार्यालय के कर्मचारियों ने विस्फोट सुना और तुरंत पुलिस को सूचित किया। विस्फोट से एक स्कूटर और कार की खिड़कियों को नुकसान पहुंचा, और दीवार पर छर्रे के निशान रह गए। पंजाब बीजेपी के कार्यकारी अध्यक्ष अश्विनी शर्मा उस दिन पहले दिल्ली के लिए रवाना हो गए थे।

पंजाब बीजेपी मुख्यालय सेक्टर 37 में स्थित है, जहां लॉ भवन और एक पेट्रोल पंप भी है। कार्यालय में अक्सर प्रेस कॉन्फ्रेंस और अन्य पार्टी गतिविधियाँ होती रहती हैं। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए, जाखड़ ने कथित तौर पर सांप्रदायिक सद्भाव को बाधित करने के प्रयासों के रूप में पुलिस स्टेशनों पर हाल के हमलों और होशियारपुर में डॉ. बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा की तोड़फोड़ का उल्लेख किया।

जाखड़ ने सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) की पंजाब में आपराधिक गतिविधियों को नियंत्रित करने में विफलता की आलोचना की, जिससे चंडीगढ़ की कानून व्यवस्था की स्थिति प्रभावित हुई। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अलगाववादी ताकतें पंजाब की सांप्रदायिक एकता को नहीं तोड़ पाएंगी।

बीजेपी नेता अमरिंदर सिंह ने विस्फोट पर आश्चर्य और चिंता व्यक्त की, और अधिकारियों से तत्काल जांच करने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया। कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा ने भी घटना को चिंताजनक पाया और इस बात पर जोर दिया कि सार्वजनिक सुरक्षा बीजेपी और आप दोनों की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

अकाली नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने चंडीगढ़ में बीजेपी कार्यालय के बाहर हुए विस्फोट की गहन जांच की मांग की, और कानून व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाए। उन्होंने एसएसपी कंवरदीप कौर से वीडियो की प्रामाणिकता को सत्यापित करने का आग्रह किया।

पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने विस्फोट की निंदा करते हुए इसे एक गंभीर चिंता का विषय बताया, और सुरक्षा और खुफिया तंत्र की विफलताओं को उजागर किया। उन्होंने चंडीगढ़ में उच्च-सुरक्षा उपस्थिति के बावजूद सुरक्षा पर सवाल उठाया।

बीजेपी नेता आर.पी. सिंह ने बताया कि विस्फोट से कुछ समय पहले एक वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी दिल्ली के लिए रवाना हो गए थे। उन्होंने पठानकोट के एसएसपी से सुबह की सैर के दौरान विशिष्ट खतरे की आशंकाओं के बारे में हाल ही में मिली चेतावनी को याद किया। सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि जिम्मेदार लोगों की पहचान तुरंत की जानी चाहिए, और ऐसे आतंकवादी कृत्यों के प्रति शून्य सहनशीलता होनी चाहिए।

एनआरएलएम को ग्रामीण गरीबी उन्मूलन और महिला सशक्तिकरण के लिए एक प्रमुख पहल के रूप में मान्यता दी गई है

(एजेंसी)।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM) ने "क्लेमिंग आवर स्काइज — द स्टोरी ऑफ नेशनल रूरल लाइवलीहुड्स मिशन" नामक पुस्तक के विमोचन के साथ अपनी 15वीं वर्षगांठ मनाई। पूर्व ग्रामीण विकास सचिव शैलेश कुमार सिंह ने इस पुस्तक का अनावरण किया, जो ग्रामीण गरीबी को कम करने और महिलाओं को सशक्त बनाने में मिशन की यात्रा का दस्तावेजीकरण करती है। यह प्रकाशन, ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया (TRI) और सोशल साइंस प्रेस के सहयोगात्मक प्रयास से, 30 योगदानकताओं की अंतर्दृष्टि प्रस्तुत करता है, जिनमें पेशेवर, नीति निमार्ता, शोधकर्ता और समुदायिक नेता शामिल हैं।

एनआरएलएमः ग्रामीण सशक्तिकरण के लिए प्रमुख पहल

NRLM दुनिया भर में सबसे बड़ी सामाजिक क्षेत्र की पहलों में से एक है। ळफ्क के अनुसार, इसने लगभग 100 मिलियन ग्रामीण महिलाओं को 9 मिलियन से अधिक स्वयं सहायता समूहों में संगठित किया है। इन समूहों ने बड़े पैमाने पर वित्त, आजीविका और सामुदायिक-नेतृत्व वाली संस्थाओं तक पहुँच को सुगम बनाया है। मिशन की सफलता का श्रेय महिलाओं के समूहों पर इसके ध्यान और ग्रामीण आजीविका को आगे बढ़ाने के लिए संस्थागत ढांचे को मजबूत करने को दिया जाता है।

महिलाओं और समुदायों का सशक्तिकरण

TRI के प्रबंध निदेशक, अनिरबान घोष ने समावेशी जमीनी स्तर की संस्थाओं के निर्माण में ठफ्छट के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने उल्लेख किया कि मिशन ने सामुदायिक विचार-विमर्श का एक नया रूप विकसित किया है, जहाँ विभिन्न पृष्ठभूमि की महिलाएँ सहयोग करती हैं और एक-दूसरे को जवाबदेह ठहराती हैं। इस दृष्टिकोण ने महिलाओं की भूमिकाओं को निर्णय-निमार्ता, उद्यमी और समुदायिक नेता के रूप में बदल दिया है।

NRLM का विकास और उपलब्धियां

पिछले 15 वर्षों में, ठफ्छट ग्रामीण विकास मंत्रालय के तहत एक अग्रणी गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम के रूप में उभरा है। दीनदयाल अंत्योदय योजना-NRLM के नाम से जाना जाने वाला, इसका उद्देश्य ग्रामीण गरीब महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों में संगठित करना और बेहतर आजीविका और वित्तीय समावेशन के लिए सामुदायिक संस्थाओं को मजबूत करना है। कार्यक्रम के विकास को "क्लेमिंग आवर स्काइज" में प्रलेखित किया गया है, जो ग्रामीण भारत पर इसके प्रभाव का एक व्यापक रिकॉर्ड है।

पुस्तक का विमोचन एक अधिक न्यायसंगत और समृद्ध भारत के लिए महिलाओं के समूहों की शक्ति का उपयोग करने हेतु NRLM की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। जैसे-जैसे यह ग्रामीण समुदायों में परिवर्तन को बढ़ावा देना जारी रखता है, NRLM सशक्तिकरण और सतत विकास के माध्यम से जीवन को बदलने में एक महत्वपूर्ण शक्ति बना हुआ है।

मोदी का मास्टरस्ट्रोक! पश्चिम एशिया में तनाव के बीच 1,171 भारतीयों का 'महा-रेस्क्यू'

(एजेंसी)।

विदेश मंत्रालय ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की बढ़ती सक्रियता और अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। एक ओर जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने नीदरलैंड और पुर्तगाल के नेताओं से बात कर द्विपक्षीय संबंधों और पश्चिम एशिया के तनावपूर्ण हालात पर चर्चा की, वहीं दूसरी ओर सरकार ने संकटग्रस्त क्षेत्रों से भारतीयों को निकालने के अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है।

तेहरान स्थित भारतीय दूतावास के सहयोग से अब तक 1,171 भारतीय नागरिकों, जिनमें भारी संख्या में छात्र शामिल हैं, को सुरक्षित सुरक्षित निकाला जा चुका है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब जेटन से टेलीफोन पर बातचीत की। इस चर्चा का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार, तकनीक और आपसी सहयोग को और अधिक गहरा करना था। नेताओं ने इस बात

पर जोर दिया कि भारत और नीदरलैंड की साझेदारी न केवल दोनों देशों के लिए, बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण है। इस संवाद ने भविष्य के लिए नए रणनीतिक रास्तों को खोलने का काम किया है।

पश्चिम एशिया के संकट पर मंथन

दुनिया के इस अशांत हिस्से में शांति बहाली भारत की प्राथमिकता रही है। प्रधानमंत्री मोदी और पुर्तगाल के विदेश मंत्री के साथ चर्चा के दौरान भारत ने स्पष्ट संदेश दिया कि क्षेत्र में स्थिरता के लिए हिंसा का रुकना जरूरी है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वे शांति के लिए कूटनीतिक रास्तों का समर्थन करें। भारत का यह रुख दिखाता है कि वह एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है।

पुर्तगाल के साथ कूटनीतिक संवाद

विदेश मंत्री एस. जयशंकर और पुर्तगाल के विदेश मंत्री पाउलो रेंगेल के बीच हुई बातचीत में द्विपक्षीय सहयोग के साथ-साथ वैश्विक संघर्षों पर भी विचार साझा किए गए। दोनों देशों ने इस बात पर सहमति जताई कि मौजूदा युद्ध जैसी स्थितियों का समाधान केवल संवाद से ही संभव है। यह बातचीत यूरोप के साथ भारत के बढ़ते कूटनीतिक तालमेल का एक अच्छा उदाहरण है, जिससे आने वाले समय में नए समझौते होने की उम्मीद है।